हेराफेरी 'पार्टनर' गिरफ्तार, अब बड़े नामों पर नजर?

सोनू जैन की गिरफ्तारी के बाद चावल घोटाले में नया मोड़

नवभारत, बालाघाट। मध्यप्रदेश के बहुचर्चित सरकारी चावल की कथित हेराफेरी मामले में अब पूरा फोकस जमानत की लड़ाई और एसआईटी की जांच पर है। वारासिवनी न्यायालय से कई आरोपियों को राहत नहीं मिलने के बाद मामला हाईकोर्ट तक पहुंच गया है।

दूसरी तरफ एसआईटी भी लगातार एक्टिव मोड में है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ, उनकी निशानदेही पर कथित साक्ष्य जुटाने और केस डायरी तैयार करने की प्रक्रिया जारी है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है—जांच एजेंसी के पास आखिर कौन से ऐसे सबूत हैं, जिनके आधार पर आरोपियों की जमानत का विरोध किया जा रहा है?

फिलहाल, कोर्ट की कार्रवाई और एसआईटी की जांच—दोनों ने इस केस को फिर से सुर्खियों में ला दिया है।

एफसीआई गोदाम से एथेनॉल प्लांट के लिए भेजे जाने वाले चावल को कथित तौर पर राइस मिलों की ओर डायवर्ट किए जाने के मामले में दर्ज अपराध क्रमांक 272/2026 में अब तक 13 आरोपियों की गिरफ्तारी की जानकारी सामने आई है।

इनमें चालक दुर्गेश शेंडे, एवीजे प्लांट प्रतिनिधि राहुल प्रताप, सुपरवाइजर राकेश श्रीवास्तव, ट्रांसपोर्टर उबेद खान, राइस मिलर्स बिहारी पटले, अतुल बिसेन, सुरेंद्र राणा, गौरव माहेश्वरी, जुगल किशोर खंडेलवाल, किशनलाल खंडेलवाल, विनोद शर्मा, राजेश संचेती और सोनू जैन के नाम शामिल बताए गए हैं।

मामले में सौरभ संचेती, उबेद खान और राहुल प्रताप सिंह की जमानत संबंधी याचिकाओं पर भी न्यायालयीन कार्यवाही हुई है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, हाईकोर्ट में राहुल प्रताप सिंह की जमानत याचिका उनके अधिवक्ता द्वारा वापस लिए जाने के कारण निरस्त हो गई, जबकि सौरभ संचेती की अग्रिम जमानत और उबेद खान की जमानत याचिका पर कार्यवाही जारी बताई गई है।

22 जुलाई को सौरभ संचेती

की अग्रिम जमानत और गंभीर संचेती से जुड़ी याचिका पर सुनवाई के दौरान शासकीय अधिवक्ता ने केस डायरी पेश करने के लिए समय मांगा। हाईकोर्ट ने समय प्रदान किया। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार केस डायरी पेश होने पर 31 जुलाई को इन याचिकाओं पर महत्वपूर्ण सुनवाई हो सकती है।

हालांकि, किसी भी आरोपी की दोषसिद्धि केवल न्यायालय द्वारा साक्ष्यों के परीक्षण और अंतिम निर्णय के बाद ही तय होगी।

सिवनी स्थित नंदगोपाल राइस मिल के संचालक सोनू जैन की गिरफ्तारी को जांच की एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। पुलिस द्वारा उन्हें कथित तौर पर तीन दिन की रिमांड पर लेकर पूछताछ किए जाने की जानकारी सामने आई है।

सूत्रों के अनुसार, पुलिस सोनू जैन को लेकर सिवनी स्थित नंदगोपाल राइस मिल भी पहुंची, जहां से कथित तौर पर बड़ी संख्या में खाली बोरियां बरामद कर जब्त की गईं। बताया जा रहा है कि इन बोरियों पर एफसीआई गोदाम नवेगांव से चावल की ढुलाई से जुड़े निशानों और विवरणों की जांच की जा रही है।

जांच एजेंसी अब यह पता लगाने में जुटी है कि एफसीआई गोदाम से एवीजे एथेनॉल प्लांट, बोरगांव, छिंदवाड़ा के लिए भेजा गया चावल कथित तौर पर नंदगोपाल राइस मिल तक कैसे पहुंचा और वहां मिले खाली बोरों का इस पूरी सप्लाई चेन से क्या कनेक्शन है।

अगर जांच में इन बोरियों, परिवहन दस्तावेजों और चावल की आवाजाही के बीच सीधा संबंध स्थापित होता है, तो यह केस के लिए महत्वपूर्ण साक्ष्य साबित हो सकता है। फिलहाल, पुलिस पूछताछ और जांच जारी है तथा पूरे घटनाक्रम की वास्तविक तस्वीर जांच पूरी होने के बाद ही साफ होगी।

हर्ष राइस मिल के बिजनेस पार्टनर विनोद शर्मा की गिरफ्तारी के बाद मिल के वित्तीय लेन-देन और कारोबारी संबंधों की जांच की बात सामने आई है। इसके बाद सवाल उठ रहे हैं कि यदि जांच में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका सामने आती है, तो क्या उसके खिलाफ भी कानून के अनुसार कार्रवाई होगी?

कारगिल के शहीदों को श्रद्धांजलि, एसएसपी महाविद्यालय में मनाया गया विजय दिवस

नवभारत, बालाघाट। शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय, वारासिवनी में एनसीसी इकाई एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में कारगिल विजय दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में कारगिल युद्ध के शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनकी वीरता, साहस और राष्ट्रभक्ति को नमन किया गया।

आयुक्त उच्च शिक्षा के निर्देशानुसार तथा 6 म.प्र. बटालियन एनसीसी, बालाघाट के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल विनीत कमल गुप्ता के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.एस. गेड़ाम ने की। कार्यक्रम का संचालन एनसीसी अधिकारी मेजर डॉ. हेमन्त कुमार मण्डाले ने किया।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. गेड़ाम ने कहा कि कारगिल युद्ध में भारतीय सेना ने अदम्य साहस और पराक्रम का परिचय देते हुए दुश्मनों से अपनी भूमि को पुनः हासिल किया। उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं की सुरक्षा केवल सेना ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भी जिम्मेदारी है और सभी को राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति सदैव सजग रहना चाहिए। वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ. रक्षा निकोसे ने अपने संबोधन में कहा कि मातृभूमि की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों की शहादत से आज की युवा पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए और राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पित रहना चाहिए।

एनएसएस अधिकारी श्री कृष्णा पराते ने कैडेट्स एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा करना प्रत्येक युवा का कर्तव्य है। इस अवसर पर विद्यार्थियों को कारगिल विजय पर आधारित एक प्रेरणादायक डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई।

कार्यक्रम में क्रीड़ा अधिकारी श्री विकास साहू सहित महाविद्यालय के शिक्षकगण, एनसीसी एवं एनएसएस के स्वयंसेवक उपस्थित रहे। आयोजन में अंडर ऑफिसर कृष नेवारे, क्वार्टर मास्टर प्रफुल्ल गोटेकर, सीपीएल आयुषी राहंगडाले, सीनियर कैडेट सुरभि मिश्रा सहित लगभग 30 एनसीसी कैडेट्स एवं एनएसएस स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के तकनीकी सहयोग में कैडेट कृष्णा वंजारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एक नजर में

बालाघाट कलेक्टर का हुआ छतरपुर स्थानांतरण

बालाघाट। मध्य प्रदेश सरकार ने आज बालाघाट कलेक्टर श्री मृणाल मीणा का छतरपुर स्थानांतरण कर दिया है वही 2017 बैच के आईएएस श्री कुमार सत्यम अपर कलेक्टर ग्वालियर को बालाघाट का कलेक्टर बनाया गया है ।

बालाघाट जिले के शासकीय महाविद्यालयों में रिक्त सीटों पर 31 जुलाई तक प्रवेश का अवसर

बालाघाट। मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में ई-प्रवेश प्रक्रिया जारी है। प्रवेश की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। विभाग ने जिले के पात्र विद्यार्थियों से समय रहते ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करने की अपील की है। पीजी कॉलेज बालाघाट के प्राचार्य श्री मरठे ने बताया कि जिले के 15 शासकीय महाविद्यालयों में कुल 7,983 सीटें अभी भी रिक्त हैं। इनमें स्नातक, स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष तथा स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष की सीटें शामिल हैं। जटाशंकर त्रिवेदी शासकीय महाविद्यालय, बालाघाट में स्नातकोत्तर स्तर पर विशेष रूप से कला संकाय के विषयों में बड़ी संख्या में सीटें उपलब्ध हैं। जिले में सबसे अधिक 1,902 सीटें शासकीय अरण्य भारती महाविद्यालय, बैहर में रिक्त हैं। इसके अलावा शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी महाविद्यालय, बालाघाट में 942, शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में 830, शासकीय महाविद्यालय कटंगी में 821, शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय वारासिवनी में 670 तथा शासकीय महाविद्यालय मलाजखंड में 663 सीटें खाली हैं। इसी प्रकार शासकीय महाविद्यालय हट्टा में 481, शासकीय कमला नेहरू कला महाविद्यालय बालाघाट में 454, शासकीय महाविद्यालय लामता में 320, शासकीय महाविद्यालय खैरलांजी में 260, शासकीय महाविद्यालय परसवाड़ा में 204, शासकीय महाविद्यालय तिरोड़ी में 200, शासकीय महाविद्यालय किरनापुर में 142 तथा शासकीय महाविद्यालय लांजी में 94 सीटें रिक्त हैं।

अमानक उर्वरक के क्रय विक्रय एवं भण्डारण पर लगाया गया प्रतिबंध

नवभारत, बालाघाट। अधिसूचित प्राधिकारी एवं उपसंचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने मप्र राज्य विपणन संघ मर्यादित लांजी की संस्था से लिये गए उर्वरक सिंगल सुपर फास्फेट के नमूने प्रयोगशाला जांच में अमानक पाये जाने पर बैच क्रमांक बीपीएम/25/06/066 के जिले में क्रय विक्रय एवं भण्डारण पर तत्काल प्रतिबंध लगा दिया है।

उर्वरक निरीक्षक द्वारा 07 जुलाई 2026 को उक्त बैच के सिंगल सुपर फास्फेट उर्वरक के नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला जांच के लिए उज्जैन भेजे गए थे। ब्लू

फोस्फेट लिमिटेड मावली जिला उदयपुर द्वारा निर्मित उक्त उर्वरक के नमूने प्रयोगशाला जांच में अमानक पाए जाने के कारण यह कार्यवाही की गई है। उर्वरक निर्माता कंपनी को भी नोटिस जारी किया गया है कि उनके द्वारा अमानक पाये गए लॉट का उर्वरक कहाँ कहाँ कितनी मात्रा में प्रदाय किया गया है। निर्माता कंपनी को 07 दिनों के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने कहा गया है।

दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों की सघन जांच, प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे गए 14 नमूने

नवभारत, बालाघाट। प्रदेश एवं जिले में दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में दूध डेयरी, मिल्क कलेक्शन सेंटर, चिलिंग सेंटर, मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट एवं रिटेल मिल्क काउंटरों का सघन निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान खाद्य लाइसेंस एवं पंजीयन की वैधता, परिसर की साफ-सफाई, व्यक्तिगत स्वच्छता तथा दुग्ध पदार्थों की गुणवत्ता की जांच की गई। इस अभियान के अंतर्गत हीरा

स्वीट्स एवं जय श्री स्वीट्स (हनुमान चौक, बालाघाट), लिल्हारे मिल्क कलेक्शन सेंटर (मोहगांव धपेरा), लालबर्रा मिल्क कलेक्शन सेंटर (लालबर्रा), मिल्क कलेक्शन सेंटर (तुमाड़ी, वारासिवनी), दुग्ध सेवा समिति (खैरलांजी) तथा मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट (चीचटोला, खैरलांजी) का निरीक्षण किया गया।

जांच में सभी संस्थानों के खाद्य लाइसेंस एवं पंजीयन वैध पाए गए। हालांकि दो स्थानों पर साफ-सफाई एवं अन्य अनियमितताओं के चलते संबंधित संचालकों को नोटिस जारी किए गए।

कार्रवाई के दौरान विभिन्न केंद्रों से छाछ, पनीर, दही, खोवा, गाय का दूध, भैंस का दूध एवं मिश्रित दूध सहित कुल 14 नमूने जांच के लिए एकत्र किए गए। सभी नमूनों को परीक्षण हेतु राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया है। खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि जांच रिपोर्ट में किसी प्रकार की मिलावट या खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों के तहत नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अघोषित विद्युत कटौती बंद करे विभाग अन्यथा होगा आंदोलन : विवेक पटेल

नवभारत, वारासिवनी। वारासिवनी-खैरलांजी क्षेत्र में लगातार हो रही अघोषित विद्युत कटौती और कम वोल्टेज से किसानों की सिंचाई और फसलें प्रभावित हो रही है।क्षेत्र के किसान अब विभुत विभाग की कार्यप्रणाली से परेशान हो चुका है।इन सभी परेशानियों को देखते हुए किसानों ने विधायक विवेक विक्की पटेल को अघोषित विद्युत कटौती,कम वोल्टेज और विभागीय कर्मचारियों के व्यवहार से जुड़ी समस्याओं से अवगत कराया है।शिकायत के बाद विधायक विवेक विक्की पटेल ने भी विद्युत विभाग के वरिष्ठ

अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा कर क्षेत्र की स्थिति की जानकारी दी।और संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने के साथ ही चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही विद्युत संबंधी परेशानियों को दूर नहीं करेगा।तो जल्द ही किसानों के साथ मिलकर विद्युत विभाग के सामने हजारों की संख्या में घेराव करेंगे।जिसकी पूरी जिम्मेदारी विद्युत विभाग की होगी।विधायक विवेक विक्की पटेल ने बताया कि कई दिनों से बिना सूचना के बिजली आपूर्ति बाधित किया जा रहा है।मानसूनी बारिश की कमी,अघोषित विद्युत कटौती के कारण नलकूप और पंप समय पर नहीं चल पा रहे है।जिससे धान की नर्सरी और रोपाई का काम रुक गया है।समय पर पर्याप्त बिजली नहीं मिलने के कारण फसलें सुख गई है।जिससे किसानों को भारी नुकसान का डर सता रहा है।दिन के समय विभाग बिजली की कटौती ज्यादा करता है।और रात में बिजली प्रदान करता है।रात के साथ जीव,जंतु और जंगली जानवर के कारण किसान कैसे रात के समय सिंचाई करेगा।वहीं उन्होंने कहा कि बार-बार विद्युत विभाग के अधिकारियों से चर्चा करने बाद भी अगर किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता है।तो बहुत जल्द किसानों का गुस्सा सड़को पर दिखाई देगा।

मेरा मोबाइल, मेरे हस्ताक्षर, मेरा अधिकार, सब छीन लिया

नवभारत कटंगी 28 जुलाई। संविधान ने पंचायत में महिला को सरपंच बनाया, लेकिन हकीकत में कुर्सी पर कोई और राज कर रहा था। जनपद पंचायत कटंगी के ग्राम पंचायत दिग्धा में सरकारी योजनाओं में बड़े पैमाने पर अनियमितता और भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। अनुसूचित जाति वर्ग की सरपंच समलो कंगाली और क्षेत्र के जनपद सदस्य नितेश पुष्पतोड़े ने सोमवार को जनपद कटंगी सीईओ गायत्री कुमार सारथी को शिकायती ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच की मांग की है, साथ ही तिरोड़ी थाने में भी शिकायत दर्ज कराई गई है।

शिकायत में क्या कहा गया

सरपंच समलो कंगाली ने आरोप लगाया कि उपसरपंच दिलीप गुप्ता और पंच चंदन

बोंवरडे ने उनके फर्जी हस्ताक्षर कर पंचायत के बिल और मस्टर पास कराए। उनका मोबाइल अपने पास रखकर ओटीपी लेकर सीधे भुगतान निकाल लिया जाता था। जब उन्होंने इस पर सवाल उठाया तो उन्हें डराया-धमकाया गया।

कागजों में दिखाया लेबर भुगतान, लेकिन काम जेसीबी से कराया- जनपद सदस्य नितेश पुष्पतोड़े ने कहा कि 2024-25 और 2025-26 में मनरेगा के तहत बने मिनाक्षी तालाबों में बड़ा घोटाला हुआ है। कागजों में 30-35 लेबरों का भुगतान दिखाया गया, जबकि काम जेसीबी से कराया गया। इसी तरह गांव के बस स्टैंड का शौचालय भी मानक के विपरीत बना है। 15वें और 5वें वित्त की राशि से हुए काम गुणवत्ताहीन हैं लेकिन पूरा भुगतान कर दिया गया।

29 एवं 30 जुलाई को बालाघाट जिले में भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना

नवभारत, बालाघाट। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), नई दिल्ली के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल से प्राप्त पाँच दिवसीय मध्यम श्रेणी के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार बालाघाट जिले में आगामी दो दिनों के दौरान भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना व्यक्त की गई है। जिला कृषि मौसम इकाई, कृषि विज्ञान केन्द्र, बड़गांव-बालाघाट ने मौसम को देखते हुए किसानों एवं आम नागरिकों से आवश्यक सावधानी बरतने की अपील की है। कृषि विज्ञान केन्द्र बड़गांव के वैज्ञानिक डॉ धर्मेन्द्र अगासे ने बताया कि मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 29 जुलाई को बालाघाट जिले में भारी बादलों के साथ भारी वर्षा होने की संभावना है। वहीं 30 जुलाई को बहुत भारी वर्षा, आकाशीय बिजली गिरने तथा 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने और आंधी-तूफान की संभावना जताई गई है। इस अवधि में जिले का अधिकतम तापमान 30 से 31 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 21 से 22 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। सुबह के समय हवा में 98 से 100 प्रतिशत तथा दोपहर में 80 से 87 प्रतिशत तक आर्द्रता रहने की संभावना है।

गुरु पूर्णिमा पर सान्दीपनी स्कूल से सिनेमा चौक तक निकली स्वच्छता रैली

'स्वच्छता ही सेवा है' के नारों से गूंजा कटंगी

नवभारत कटंगी 28 जुलाई। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर सान्दीपनी स्कूल द्वारा स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक विशाल रैली का आयोजन किया गया।

रैली विद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए सिनेमा चौक तक पहुंची। इस दौरान छात्र-

छात्राओं ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर 'स्वच्छता ही सेवा है', 'एक कदम स्वच्छता की ओर', 'प्लास्टिक मुक्त कटंगी' के नारे लगाए।

प्राचार्य ने हरी झंडी दिखाकर रैली रवाना की

रैली का शुभारंभ प्राचार्य यतीन्द्र कुमार अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर पखवाड़ा के नोडल अधिकारी श्यामकमल गौतम एवं निर्दोष डोंगरे, रैली प्रभारी रंजीत कुमार मेश्राम एवं विशाल राऊतकर उपस्थित रहे।

स्वच्छ समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका अहम

कार्यक्रम में वार्ड क्रमांक 14 के पार्षद प्रतिनिधि खेमु कोचर विशेष रूप से शामिल हुए। उन्होंने छात्रों को स्वच्छता का संकल्प दिलाया और कहा कि स्वच्छ समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है।

इनका रहा विशेष योगदान

रैली को सफल बनाने में सहयोगी शिक्षक ऋषभ ठाकुर, फूलचंद शिव, हेमराज लिल्होरे, दीपक चौधरी, शिवप्रसाद सोनवाने, यवनलाल राहुड़, दिनेश बिसेन, संजीव प्रसाद उपाध्याय, साधना पटले, प्रियंका पटले, जयश्री सोनी, संगीता राहंगडाले, हीना राहंगडाले, लीना शरणागत, सोनम नेवारे, नीतू झोड़े, करुणा धुर्वे, अरुणा शेख आदि का सहयोग रहा।

घोटाला विधायक ने पूछा- हर्ष राईस मिल के प्रोपराइटर पर कार्रवाई में देरी क्यों?

चावल घोटाला, कांग्रेस बोली- पुलिस सत्ताधारी दल के दबाव में

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट में हुए चावल घोटाले की जांच कर रही पुलिस (SIT) की कार्रवाई पर कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं। कांग्रेस का आरोप है कि बड़े और असरदार लोगों के नाम सामने आने के बाद पुलिस अब निष्पक्ष काम नहीं कर रही है और सरकार के दबाव में मामले को दबाने में लगी है।

मंगलवार को कांग्रेस विधायक और जिलाध्यक्ष संजय उईके ने पार्टी दफ्तर में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा कि शुरुआत में जब सभी राइस मिलों पर कार्रवाई हो रही थी, तब लगा कि जांच सही चल रही है।

लेकिन अब पुलिस का रवैया बदल गया है। जिनका संबंध सत्ताधारी दल से है, उन्हें बचाने के

लिए जांच को जानबूझकर लंबा खींचा जा रहा है, जबकि उनके नाम शुरुआत में ही सामने आ गए थे।

जब एथेनॉल वाले चावल से भरे ट्रक पकड़े गए, तो पुलिस ने पिता, बेटे और भाई तीनों पर मामला दर्ज कर लिया। पूर्व मंत्री रामकिशोर कावरे के भाई राजकुमार कावरे की इस मिल में पुलिस ने सिर्फ उनके पार्टनर विनोद शर्मा पर केस दर्ज किया, जबकि मुख्य मालिक (प्रोपराइटर) पर कोई कार्रवाई नहीं की।

कांग्रेस का कहना है कि कागजों पर दस्तखत और सारे जवाब देने का काम राजकुमार कावरे ही करते हैं, लेकिन पुलिस सत्ता के दबाव में उन्हें बचा रही है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने बालाघाट एसपी आदित्य मिश्रा के उस वादे को याद दिलाया जिसमें उन्होंने कहा था कि 'किसी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा और निर्दोष को फंसाया नहीं जाएगा।'

कांग्रेस ने मांग की है कि मामले की जांच पूरी निष्पक्षता से हो। चाहे आरोपी कितना भी बड़ा आदमी क्यों न हो, उस पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो कांग्रेस सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन करेगी।

ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने नहीं दिया कोर्ट में जवाब : कांकरिया

नवभारत, बालाघाट। विगत दिवस श्रीराम मंदिर ट्रस्ट, अन्नपूर्णा मंदिर ट्रस्ट, अंग्रेजी स्कूल ट्रस्ट तथा अग्रवाल समाज ने पत्रकार वार्ता का आयोजन किया जिसमे उन्होंने कि दानदाता मोहनलाल माहेश्वरी ने अपनी मृत्यु के पहले सारी सम्पत्ति पारिवारिक जनों को न देकर अलग अलग मंदिर , स्कूल सामाजिक भवन , ट्रस्ट को दान हेतु 16 अगस्त 1996 को वसीयत लिखी थी तथा उसे निष्पादित करने के लिये सुरजमल बोहरा को बंद लिफाफे में सौंपी थी। निर्देश दिये थे कि मेरी मृत्यु के बाद उसे मूल अवस्था में अनिल कांकरिया को सौंप देना।

विधिक नोटिसों के जवाब में सूरजमल बोहरा ने स्वीकार किया है कि स्वर्गीय मोहनलाल माहेश्वरी ने उन्हें एक बंद लिफाफा सौंपा था जिसे मैने उनके निर्देशानुसार अनिल

कांकरिया को सौप दिया ।जिस पर अनिल कांकरिया ने भी अपने लिखित उत्तर में यह स्वीकार किया है कि उन्हें उक्त वसीयत सुरजमल बोहरा से मोहनलाल माहेश्वरी के निधन के बाद प्राप्त हुई

ट्रस्टों का कहना है कि यदि वसीयत वर्ष 1996 से अस्तित्व में थी और वसीयतकर्ता की मृत्यु के बाद संबंधित व्यक्तियों के कब्जे में आ गई थी, तो फिर उसका समय पर क्रियान्वयन क्यों नहीं किया गया। उनका आरोप है कि वसीयत को लंबे समय तक जानबूझकर गुप्त रखा गया और संबंधित हितधारकों को इसकी जानकारी नहीं दी गई। ट्रस्टों का यह भी आरोप है कि इस अवधि में मंदिर ट्रस्ट की मूल्यवान संपत्तियों का विक्रयए अंतरण और अन्य वित्तीय लेन.देन किए गए। जिनसे कथित रूप से कुछ व्यक्तियों को लाभ पहुंचा। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने दावा किया है कि लगभग 60 करोड की उक्त संपत्ति का कुछ हिस्सा संबधितों के वारसानों के द्वारा मिलीभगत करछल पूर्वक अन्यत्र लोगों को बेच भी दिया है।

ट्रस्ट ने मांग की है कि इस मामले में उच्च स्तरीय जांच हो। यदि जांच में ये आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह केवल वसीयतकर्ता की अंतिम इच्छा की अवहेलना नहीं बल्कि धार्मिक न्यास की संपत्तियों के साथ गंभीर विश्वासघात और समाज के साथ छल का मामला भी हो सकता है।